वार्तालाप-518, बम्बई, पार्ट-1, दिनांक-17.02.08
Disc.CD-518, dated 17.2.08 at Bombay, Part-1

समयः 00.01-08.10

जिज्ञासुः बाबा, ये बताया कि कोहिनूर हीरा, उसका महत्व विदेशी लोग ज्यादा जानते हैं क्योंकि वो तमोप्रधान कम बनते हैं तो भारत में जो साउथ एरिया है उसको भी विदेश कहते हैं; वो भी कम तमोप्रधान है क्या?

बाबाः उत्तर भारत के लोंगो के अनुसार अगर भेंट की जाये तो कहेंगे कि जो उत्तर भारत के लोग है वो बड़े-2 कुंभकर्ण हैं और दक्षिण भारत के पहचान लेते हैं। ऑल इंडिया में जो भी एड़वान्स के निकले हुए हैं, वो प्रूफ हैं इस बात का। किस बात का? कि बुद्धि में सतोप्रधान दक्षिण भारतवाले हैं या उत्तर भारतवाले हैं? ज्यादा लड़ाई-झगड़े में कौन पड़े रहते हैं? उत्तर भारत में लड़ाई-झगड़ा बहुत होता है और बापदादा ने भी बोल दिया है, क्या? यू.पी.वालों को धर्मयुद्ध का खेल दिखाना है क्योंकि मिलिट्रीवाले जैसे होते हैं ना। जिनके अंदर मिलिट्रीपने के संस्कार हैं, जन्म-जन्मान्तर युद्धभूमि में काम करती रही है आत्मायें तो अगर शरीर छोड़ेंगे तो भी अगले जन्म में कहाँ पहुँचेंगी? युद्धक्षेत्र में पहुँच जायेंगी। तो उत्तर भारतवालों में खास यू.पी.वालों के लिए बोला है, क्या बोला है? धर्मयुद्ध का खेल यू.पी.को दिखाना है, क्यों? और लड़ाई-झगड़ा करना ये तो निर्धन की निशानी है। जो धनी-धोरी बाप के बच्चे होंगे वो युद्ध करेंगे या शान्त होनेवाले होंगे? शान्त होनेवाले होंगे? माना महाभारी महाभारत गृहयुद्ध से उनको प्रसार नहीं होना चाहिए?

जिज्ञासु- होना है।

Time: 00.01-08.10

Student: Baba it has been said that the foreigners recognize the value of Kohinoor diamond more because they become less degraded. So, the southern area of India is also called *videsh* (foreign land). Is it less degraded as well?

Baba: If they are compared with the people of north India it will be said that the people of north India are big Kumbhakarnas while the people of south India recognize (the Father). All those who have emerged in advance (party) all over India are a proof for this. For what? That whether the South Indians have a *satopradhan* intellect or do the North Indians have? Who keeps fighting more? Lot of fights take place in North India and Bapdada too has said; what? People of U.P. have to show the play of *dharmayuddh* (war for the sake of justice) because just as there are the military people… those who have the sanskars of a military [person] in them, the souls that have been working on the battlefield for many births, even if they leave their body, where will they reach in the next birth? They will reach the battlefield. So, among the North Indians, it has been especially said for the people of Uttar Pradesh (UP); what has been said? U.P. has to show the play of *dharmayuddh*; why? And fighting and quarrelling is certainly a sign of orphans. Will the ones, who are the children of the Father, the Master *(dhani dhauri)*, wage a war or will they be peaceful? Will they be peaceful? Does it mean they should not pass through the fiercest Mahabharata civil war?

Student: They have to.

बाबा- मुरली में तो बोला है - गेट वेट टू हैविन इज़ महाभारत। जब तक महाभारी महाभारत युद्ध से पसार नहीं हुई कोई आत्मा तब तक स्वर्ग के गेट में जाय ही नहीं सकती। ये सत्य और असत्य का युद्ध करना ही पड़े। इसलिए युद्ध तो है लेकिन बाहुबल का युद्ध नहीं है। कौनसा युद्ध है? ये रूहानी युद्ध है। इस रूहानी युद्ध में धर्मयुद्ध की बात है। अधर्म की बात नहीं होनी चाहिए। तो उत्तर भारत में धर्म को माननेवाले ज्यादा हैं या दक्षिण भारत में धर्म को माननेवाले ज्यादा हैं? ज्यादा आस्तिक कहाँ हैं और ज्यादा नास्तिक कहाँ हैं? अरे, उत्तर भारत में ज्यादा नास्तिक हैं या दक्षिण भारत में ज्यादा नास्तिक हैं?

जिज्ञासु- दक्षिण भारत।

Baba: It has been said in the Murli – '*Gateway to heaven is Mahabharata*'. Until a soul passes through the fiercest Mahabharata war, it cannot enter the gate of heaven at all. It will definitely have to participate in this war of truth and untruth. This is why there is no doubt a war, but it is not a war of physical power. Which war is it? It is a spiritual war. There is an issue of *dharmayuddh* in this spiritual war. There should not be an issue of *adharma* (irreligiousness). So, do the people of north India believe in religion more or do the people of south India have faith in religion more? Which place has more theists and which place has more atheists? Arey, are there more atheists in North India or in South India?
Student: South India.

बाबा- दक्षिण भारत में नास्तिकता ज्यादा है और उत्तर भारत में नास्तिक फिर भी कम है। भल हनुमान की पूजा करनेवाले हो, गणेश की पूजा करनेवाले हो लेकिन फिर भी उनको क्या कहेंगे? आस्तिक। उस रूप में भी भगवान बाप को तो मानते हैं। तो गरीब ज्यादा कहाँ हुए और साहूकार ज्यादा कहाँ हुए? उत्तर भारत में गरीबी है और दक्षिण भारत में साहूकार ज्यादा है। क्यों?

जिज्ञासु- ...

बाबा- फिर नास्तिक है तो साहूकार ज्यादा क्यों होने चाहिए?

जिज्ञासु- ...

Baba: Atheism is prevalent more in South India and the number of atheists in North India is few anyway. They may be worshippers of Hanuman, they may be worshippers of Ganesh, yet what will they be called? Theists. They believe in God, the Father at least in that form. So, where are poor people more and where are rich people more? There is poverty in North India and people of South India are richer. Why?
Student said something.
Baba: If they are atheists, why are they richer?
Student said something.

बाबा- हाँ, क्योंकि आखरी जो युग है, आखरी जो जन्म है उसमें बाप गरीब निवाज बाप बनकर के आते है। किसको उठाते हैं? गरीबों को ही उठाते हैं। और जो नास्तिक होते हैं वो गरीब नहीं होते हैं। क्या? उनका तो नियम-कानून ही ये होता है 'यावत जीतवा ' तब तक कैसे जीओ? 'ऋणम कृतवा घृतम् पिवेत'' ऋण लेते रहो, उधार लेते रहो। मर जाने के बाद कौन

किसको चुकाता है, घी पीते रहो। जब तक जीओ सुख से जीओ। दुनिया से लूट-लूट के सुख लेते रहो, यही जीवन है। तो आज के दुनिया में ऐसे लोग गरीब बनेंगे या साहूकार बनेंगे? ऐसे लोग ही साहूकार, करोड़पति, अरबपति बन रहे हैं। जो सच्चाई से चलनेवाले हैं वो आज की दुनिया में करोड़पति, अरबपति नहीं बन सकते। यहाँ कोई करोड़पति बैठा है क्या?

जिज्ञासु- नहीं।

बाबा- नहीं बैठा है।

जिज्ञासु- नहीं-नहीं।

बाबा- झूठ बोल रहे हैं। सारी प्रॉपर्टी बेचेंगे तो करोड़पति नहीं साबित होंगे? कहेंगे हमारे हाथ में कहाँ है। अच्छा।

Baba: Yes, because the Father comes in the form of a *garibniwaz* Father (the friend of the poor ones) in the last age, the last birth. Whom does He uplift? He uplifts only the poor ones. And those who are atheists are not poor. What? Their very rule or law is this: '*yaavat jitwaa*' until (you are alive,) how should you live? '*Rinam kritwaa ghritam pivet*[1]', go on seeking loan; go on borrowing; who will repay whom after death? Keep consuming ghee. As long as you are alive, live luxuriously. Go on looting happiness from the world. This itself is life. So, will such people become poor or rich in today's world? Such people are becoming rich, millionaires, billionaires. Those who follow the path of truth cannot become millionaires, billionaires in today's world. Is there any millionaire sitting here?
Student: No.
Baba: Is no such person sitting?
Student: No, no.
Baba: You are speaking lies. If you sell the entire property, will you not prove to be a millionaire? You will say, it(the money) is not in our hands [right now]. OK.

जिज्ञासु- बाबा, वो हद की बात हो गई ना वो यु.पी.।

बाबा- क्या?

जिज्ञासु- उत्तर प्रदेश।

बाबा- उत्तर प्रदेश क्या हद की बात हो गई?

जिज्ञासु- जो अभी कुंभकर्ण के बने हैं।

बाबा- हाँ, कुंभकर्ण माने अज्ञान नींद में सोय नहीं रहे हैं? जो ईश्वरीय ज्ञान है उस ज्ञान को जागृत होकर के ग्रहण कर रहे हैं या सो रहे हैं? सो रहे हैं। तो कुंभकर्ण हुए कि नहीं? ये स्थूल बात हुई? अरे, ये हद की बात हुई या बेहद की बात हुई? हद में भी वही बात होती है और बेहद में भी वही बात होती है। ऐसे नहीं कि हद का अमृतवेला हम क्यों करें? हम बेहद का अमृतवेला करेंगे। ऐसे नहीं।

जिज्ञासु- तो बाबा, जो बाप को पहले पहचानते हैं वो विदेशी हुए माना विदेशी कम जन्म लेनेवाले।

---
[1] Borrow and drink ghee.

बाबा- हाँ, जो बाप को पहले पहचाने। ये नहीं कहा कि कम पहचाने या ज्यादा पहचाने। पहले तो पहचाने लेकिन कैसी पहचान होनी चाहिए? ''नीम हकीम खतरे जान'' अरे, पहचान भी लेना है तो पूरी पहचान लेनी है। मुर्गे की तरह उठ गये और सबको जगाय दिया बाप आया हुआ है और खुद सो गये। ऐसी पहचान नहीं होनी चाहिए।
Student: Baba, that issue of U.P. is in a limited sense, isn't it?
Baba: What?
Student: Uttar Pradesh.
Baba: What is in a limited sense about U.P.?
Student: Those who have become Kumbhakarnas now.
Baba: Yes, Kumbhakarnas means are they not sleeping in ignorance? Are they accepting the knowledge of God after becoming aware of it or are they sleeping? They are sleeping. So, are they Kumbhakarnas or not? Is it a physical thing? Arey, is it in a limited sense or in an unlimited sense? The same thing is applicable in a limited sense as well as in an unlimited sense. You should not think that why should we do *amritvela*[2]? We will do *amritvela* in an unlimited sense. It is not so.
Student: So Baba, those who realize the Father first are *videshis* (foreigners). It means that foreigners take fewer births.
Baba: Yes, the one who recognizes the Father first. It has not been said whether they realize less or more. They should recognize first, but how should the recognition be? *Neem hakeem khatrey jaan*[3]', arey, even if you have to recognize you have to recognize fully. If you wake up like a cock, wake up everyone [saying] that the Father has come and then doze-off yourself. The realization should not be like this.

समयः 08.16-11.56

जिज्ञासुः बाबा, लक्ष्मी-नारायण के चित्र में, जैसे कृष्ण को टेढ़ा बताया वैसे राधा को भी टेढ़ा बताया है। राधा ने.....

बाबाः लक्ष्मी-नारायण के चित्र में ऊपर की स्टेज में जो है और नीचे की स्टेज में जो है वो आत्मायें अलग-2 पेयर्स है या एक ही पेयर्स की बात है?

जिज्ञासु- अलग-अलग।

बाबा- आप नीचे वाले पेयर्स की बात कर रहे है या ऊपर वाले पेयर्स की बात कर रहे है?

जिज्ञासु- नीचे वाले।

बाबा- उनके पाँव टेढ़े नहीं है।

जिज्ञासु- राधा को टेढ़ा दिखाया है बाबा।

बाबा- राधा-कृष्ण जो नीचे वाले जोड़े दिखाये गये हैं और ऊपर वाले जोड़े दिखाये गये हैं उनमें टेढ़े पाँव किसके हैं?

जिज्ञासु- नीचे वाले।

बाबा- नीचे वाले जोड़े के टेढ़े पाँव हैं और वो टेढ़े पाँव सतयुग में होते हैं या संगम में होते हैं?

[2] *Do amritvela*: Sit in remembrance at amritvela
[3] half knowledge is dangerous

जिज्ञासु- संगम में।

बाबा- वो कौनसी आत्मायें हैं जिनके टेढ़े पाँव हैं?

जिज्ञासु- संगमयुगी राधा-कृष्ण।

Time: 08.16-11.56

Student: Baba, in the picture of Lakshmi-Narayan, just as Krishna has been shown to be cross-legged, similarly, Radha has been shown to be cross-legged. Radha....
Baba: In the picture of Lakshmi-Narayan, are the souls which are in a higher stage and in a lower stage different pairs or are they the same pair?
Student: Different.
Baba: Are you talking about the lower pair or the upper pair?
Student: The lower one.
Baba: They are not cross-legged.
Student: Radha has been shown to be cross-legged Baba.
Baba: Among Radha and Krishna, shown as the lower pair, and the upper pair, who are shown to be cross-legged?
Student: The lower one.
Baba: The lower ones are shown to be cross-legged; and are they cross-legged in the Golden Age or in the Confluence Age?
Student: In the Confluence Age.
Baba: Which souls are cross-legged?
Student: The Confluence Age Radha and Krishna.

बाबा- सही पहचान रहे हो! कभी उनके चक्कर में नहीं फँसना भला। क्या? संगमयुगी राधा-कृष्ण, अगर उनके टेढ़े पाँव हैं, छल-छिद्र-कपटवाले हैं तो फँसाए लेंगे या नहीं? फँसाए लेंगे, मूस लेंगे। सतयुग के जो राधा-कृष्ण हैं वो सीधे-साधे है, क्या? उनको तो क्राईस्ट और क्रिश्चियन से टैली नहीं किया जा सकता! ऐसे है? कहाँ पहुँचे? तो लक्ष्मी-नारायण के चित्र में दो पेयर्स दिखाये गये, दो जोड़े-ऊँची स्टेज वाले और उनके मुकाबले नीची स्टेज वाले और चारों आत्मायें माना दोंनो ही जोड़े 21 जन्म के पार्ट बजानेवाले संगमयुग में मौजूद हैं या नहीं हैं?

जिज्ञासु- है।

Baba: You are recognizing correctly! (But) never entangle (yourself) in their web! What? If the Confluence Age Radha and Krishna are cross-legged, if they are crooked and wicked, will they entrap you or not? They will entrap you. They will cheat you. The Radha and Krishna of the Golden Age are simple; what? They cannot be tallied with Christ and Christians! Is it so? Where did you reach? So, in the picture of Lakshmi and Narayan, two pairs have been shown; one pair is in a higher stage and when compared to them the other pair is in a lower stage and all the four souls, i.e. both the pairs who play a part for 21 births, are they present in the Confluence Age or not?
Student: They are.

बाबा- आत्मायें जो चारों आत्मायें हैं, वो पार्ट बजाए रही हैं या नहीं बजाए रही हैं? बजाए रही हैं। तो आपको किसकी बात रहे हैं इस समय? आप किसके बारे में पूछ रहे हैं?

जिज्ञासु- चित्र के बारे में पूछ रहे हैं।

बाबा- हाँ, चित्र में भी दो तरह के चित्र हैं ना - लक्ष्मी-नारायण का चित्र ऊपर है जो नर से नारायण बनते हैं और जो नर से प्रिंस बनकर के रह जाते हैं, लक्ष्मी-नारायण जन्म लेते ही नहीं बनते; वो नीचे हैं। आप किसकी बात कर रहे हैं? क्या प्रश्न का जवाब मिल गया क्या? इतना कतराते क्यों?

जिज्ञासु- टेढ़े होने की बात कर रहे हैं।

बाबा- हाँ, टेढ़े पाँव इस समय किनके हैं? ये टेढ़े-मेढ़े पाँव दिखाये गये हैं वो कौनसी आत्माओं के हैं?

जिज्ञासु- जो जन्म लेनेवाले हैं।

बाबा- जो जन्म लेनेवाले सतयुग की आत्मायें हैं, पहला पत्ता के रूप में हैं; सतयुग में पहले पत्ते के रूप में जन्म लेंगे उनके पाँव अभी टेढ़े हैं। इसलिए लक्ष्मी-नारायण के चित्र में जो नीचे जोड़ा दिखाया गया है वो टेढ़े पाँववाला है। वो भी कहाँ की यादगार? वो भी संगमयुग की यादगार। क्यों? क्यों टेढ़े हैं? बुद्धि रूपी पाँव ? क्योंकि उनकी बुद्धि में अभी तक भी नहीं बैठा है कि गीता का भगवान कौन है असलियत में इसलिए बुद्धि रूपी पाँव टेढ़े दिखाये हैं।

Baba: Are the four souls playing their parts or not? They are. So, who are you talking about now? Who are you asking about?

Student: I am asking about the picture.

Baba: Yes, there are two kinds of pictures in the picture (of Lakshmi-Narayan), aren't there ? The picture of Lakshm-Narayan, who change from a man to Narayan is shown above and those who change from a man to just prince, those who do not become Lakshmi-Narayan as soon as they take birth, have been shown below. Who are you talking about? Did you get the answer to your question? Why do you hesitate so much?

Student: I am talking about being cross-legged.

Baba: Yes, who is cross-legged at this time? Which souls have been shown to be cross-legged?

Student: Those who will be born.

Baba: The souls which will be born in the Golden Age, they are in the form of the first leaves; they will take birth in the Golden Age in the form of first leaves; they are cross-legged at present. This is why in the picture of Lakshmi-Narayan, the pair shown below is cross-legged. It is a memorial of which time? It is also a memorial of the Confluence Age. Why? Why are they cross-legged, the intellect like legs? Because it has not sat in their intellect so far who is the God of the Gita in reality; this is why his intellect like legs have been shown to be crossed.

समयः 16.18-21.36

जिज्ञासुः बाबा स्वधर्म और देह के धर्म। स्वधर्म जो है वो आत्मा का धर्म है।

बाबाः देह का धर्म है- देह की संतान पैदा करना और स्वधर्म है स्व, आत्मिक संतान पैदा करना, आत्मिक स्टेजवाली। जो आत्मिक स्टेज की संतान है, सृष्टि है उसका ज्ञान होना

चाहिए ना स्वधर्मी को। स्वधर्मी के ज्ञान में और देहधर्मी के ज्ञान में इतना अंतर होना चाहिए या नहीं होना चाहिए? सौ परसेन्ट स्वधर्मी माने कितनी आत्मायें जो सौ परसेन्ट स्वधर्मी बनती है?

जिज्ञासु- साढ़े चार लाख।

Time: 16.18-21.36

Student: Baba, *swadharma* and the *dharm*[4] of the body. *Swadharma* is the *dharm* of the soul.
Baba: The *dharm* of the body is to give birth to physical children. And *swadharma* is to give birth to spiritual children with a soul conscious stage. The *swadharmis* should have knowledge of the children, the creation with a soul conscious stage, shouldn't they? Should there be this much difference between the knowledge of the *swadharmi* and the knowledge of the one with a bodily *dharm* or not? Hundred percent *swadharmi*… meaning how many souls become hundred percent *swadharmi*?
Student: Four fifty thousand.

बाबा- साढ़े चार लाख। उनको इस सृष्टि पर रहते-2, शरीर के जीवन में रहते-2 ज्ञान के आधार पर, प्रैक्टिकल पुरूषार्थ के आधार पर ये पक्का हो जाता है कि स्वधर्म से नई सृष्टि का हम उदय करेंगे, वायब्रेशन से नई सृष्टि का निर्माण करेंगे। देह का उसमें अंश मात्र भी नहीं होगा और राधा-कृष्ण वाली आत्माओं की बुद्धि में ये बात नहीं बैठेगी।

जिज्ञासु- बाबा जिनको स्वधर्म का पता होगा उनको देह के धर्म का भी पता.......

बाबा- क्यों नहीं होगा। ज्ञानी को देह, रावणराज्य और रामराज्य दोंनो का पता नहीं होना चाहिए? फिर ज्ञानी किस बात का। ज्ञानी माना? जो माया को भी पूरा पहचानता हो और जो मायापति बाप को भी पूरा पहचानता हो। और?

Baba: Four fifty thousand. They develop the firm faith on the basis of knowledge, on the basis of the practical *purusharth*(spiritual efforts) while living in this world, while living in the body that they will rise (create) the new world through *swadharma*, they will build a new world through vibrations. There will not be any trace of body (consciousness) in that. And this will not sit in the intellect of the souls like Radha and Krishna.
Student: Baba, those who know about *swadharma* will know about the *dharm* of the body also....
Baba: Why will they not know? Should a knowledgeable person not know about the body… about the kingdom of Ravan as well as the kingdom of Ram? Then how can he be (called) knowledgeable? What is meant by knowledgeable? The one who recognizes *Maya* as well as the *Mayapati* Father completely. Anything else?

जिज्ञासु- बाबा, देह में भी दो देह हैं। दो तरह के देह।

बाबा- देह तो देह है। चाहे सूक्ष्म हो।

जिज्ञासु- वास्ट डिफरेन्स है ना बाबा।

बाबा- नहीं। देह चाहे सूक्ष्म हो और चाहे स्थूल हो। देह तो देह है। ब्रह्मा की सोल है, पहला पत्ता है सृष्टि का, वो शरीर रहते-2 जो पुरूषार्थ करता है, वो सूक्ष्म शरीर को त्यागने का

---

4 moral duty or obligation

पुरूषार्थ कर लेता है या सिर्फ स्थूल देह को त्यागने तक का पुरूषार्थ कर पाता है? कहाँ तक पहुँचता है?
जिज्ञासु- स्थूल देह।
Student: Baba, bodies are of two kinds. There are two types of bodies.
Baba: Body is body, whether it is subtle....
Student: There is a vast difference between them Baba.
Baba: No. Whether it is a subtle body or a physical body, a body is a body. There is the soul of Brahma; he is the first leaf of the world; The *purusharth* that he makes while being in the body; does he make *purusharth* to renounce the subtle body or is he able to renounce only the physical body? How far does he reach?
Student: (Renouncing) the physical body.

बाबा- तो फर्क हो गया ना। थोड़ा फर्क है। 16 कला सम्पूर्ण कृष्ण की आत्मा भी बनती है और 16 कला सम्पूर्ण रामवाली आत्मा भी बनती है; लेकिन एक सूक्ष्म देहअभिमान को त्याग नहीं पाता है और दूसरा सूक्ष्म देहअभिमान को भी त्याग देता है इसी जीवन में रहते-2; इसलिए देह तो देह ही है। अगर थोड़ा भी देहभान रह गया, क्या? थोड़ा भी देहभान रह गया तो वो फिर पैदा हो जावेगा। चलो अपने शरीर से जन्म नहीं लेंगे; कोई दूसरे के शरीर में प्रवेश होके फिर कर्तव्य करने लगेंगे। इसलिए देहभान तो देहभान ही है। इसलिए बोला कि राख बना दो। जो दूसरे धर्म की आत्मायें होती हैं वो राख (नहीं) बनाती हैं देह को, पूरा ही जलाए (नहीं) देती हैं और जो स्वधर्मी हैं वो क्या करते हैं? वो देह को जला के राख बनाए देते हैं, विधर्मी नहीं जलाते। वो क्या करते हैं? वो जमीन में दबा देते हैं। तो कुमारका दादी ने ब्रह्मा बाबा के शरीर का क्या अंजाम किया?
जिज्ञासु- दफ़ना दिया।
Baba: So, there is a difference, isn’t there? There is a little difference. The soul of Krishna as well as the soul of Ram becomes complete with 16 celestial degrees. But one is unable to renounce the subtle body consciousness and the other renounces even the subtle body consciousness while living. This is why body is body anyway. Even if a little body consciousness remains…, what? Even if a little body consciousness remains, he will be born again. OK, he may not be born with his own body; he will start performing actions by entering someone else’s body. This is why body consciousness is body consciousness anyway. This is why it has been said, ‘turn it into ashes’. The souls of other religions do not turn the body into ashes; they are unable to burn it completely into ashes. And what do the *swadharmis* do? They burn the body into ashes; the *vidharmis* do not burn it. What do they do? They bury it underground. So, what did Kumarka Dadi do with Brahma Baba’s body?
Student: She buried it.

बाबा- उन्होंने अपनी ताकत लगाई। जलाया तो क्योंकि जो भी ब्राह्मण परिवार उस समय मौजूद था उसकी लोकलाज में आकर के जलाया तो लेकिन फिर भी क्या किया? उसकी राख वहीं की वहीं दबा दी। भारत में हिंदू लोग ऐसा नहीं करते। जलाते हैं और जलाने के बाद वहाँ से राख भी साफ कर देते हैं। कहाँ ले जाते हैं? या तो गंगा में ले जावेंगे या तो कोई नदी या

सागर में खलास कर देंगे। अंश मात्र भी, एक कण भी उसका बचना नहीं चाहिए। तो सूक्ष्म शरीर और स्थूल शरीर ये तो बहुत बड़ी बात हो गई। देहभान तो बिल्कुल ही न रहे। सूक्ष्म शरीर का भी देहभान रह जावेगा तो आत्मा परमधाम नहीं जा सकती, बाप के घर की वासी नहीं हो सकती।

Baba: She used her power. She did burn it because of the public honour (*loklaj*) of the Brahmin family that was present at that time, but still what did she do [with it later]? She buried his ashes there itself. In India Hindus do not do like that. They burn it, and after burning it, they clear even the ashes from that place. Where do they take it? They take it either to the Ganges or they dispose it in some river or ocean. Not even a trace or a particle of it should remain. So, the issue of the subtle body and the physical body is a very big issue. There should be no body consciousness at all. Even if the body consciousness of the subtle body remains, the soul cannot go to the Supreme Abode; it cannot become the resident of the Father's home.

समयः 24.00-27.30

जिज्ञासुः बाबा, जैसे निराकार को याद करनेवाले विदेशी बनते हैं। यहाँ साकार में भी तो निराकार की बात है। तो साकार में भी जो निराकार को मानते हैं वो भी विदेशी हैं ना।

बाबाः साकार में निराकार को मानते। तो वहाँ प्रवृत्ति को मानते हैं या निवृत्ति को मानते हैं?

जिज्ञासु- प्रवृत्ति को मानते हैं।

बाबा- मानते हैं। निराकार को भी मानते हैं लेकिन फिर साकार को भी मानते हैं। तो प्रवृत्ति को मानते हैं या निवृत्ति को मानते हैं?

जिज्ञासु- प्रवृत्ति को मानते हैं।

बाबा- और भगवान क्या स्थापन करने आते हैं?

जिज्ञासु- प्रवृत्तिमार्ग........

Time: 24.00-27.30

Student: Baba, for example, those who remember the incorporeal (form of God) become *videshis* (foreigners). Even here it is about (remembering) the Incorporeal One within the corporeal. So, those who believe in the Incorporeal within the corporeal are also *videshis*, aren't they?

Baba: Those who believe in the Incorporeal One within the corporeal. So, do they believe in household (*pravritti*) or renunciation?

Student: They believe in household.

Baba: They believe. They believe in the Incorporeal as well as the corporeal. So, do they believe in a household or in renunciation?

Student: They believe in household.

Baba: And God comes to establish what?

Student: The path of household.....

बाबा- प्रवृत्तिमार्ग स्थापन करने आते हैं, निवृत्तिमार्ग तो स्थापन करने नहीं आते। प्रवृत्ति साकार और निराकार दोंनो के माननेवाले चाहिए, माँ और बाप दोंनो को माननेवाले चाहिए। शिव बाप आता है, निराकार आता है लेकिन प्रवेश किसमें करता है? कोई न कोई साकार

चाहिए ना। उसमें जब तक प्रवेश न करे तब तक ब्रह्मा के साक्षात्कारों का भी रहस्य खुल नहीं सकता; इसलिए साकार भी चाहिए और निराकार भी चाहिए। प्रवृत्ति को माननेवाले श्रेष्ठ हैं और प्रवृत्ति में भी जो निराकार को मानते हैं सिर्फ वो पॉवरफुल तो हैं लेकिन वो कितने भी पॉवरफुल हो जाये लेकिन भगवान उनका सहयोगी अंत तक नहीं बनेगा। किसका सहयोगी बनेगा? जो प्रवृत्ति को माननेवाले है क्योंकि भगवान बाप आते ही है प्रवृत्तिमार्ग की सृष्टि स्थापन करने। देवतायें प्रवृत्तिमार्ग वाले होते हैं। तो दो कैटागरीज तो ये हो गई। कौन-कौनसी? एक साकार-निराकार दोंनो को माननेवाले और एक हैं सिर्फ निराकार को माननेवाले और एक हैं न प्रवृत्ति को मानते हैं और न निराकार को मानते हैं जितना साकार को मानते हैं। वो साकार को ही बहुत महत्त्व देते हैं, निराकार को भी महत्व नहीं देते और प्रवृत्तिमार्ग के देवताओं को भी महत्व नहीं देते। ''राम के भक्त रहीम के बंदे है ये सब आँखों के अंधे'' तो...

Baba: He comes to establish the path of household. He does not come to establish the path of renunciation. Those who believe in *pravritti*, both the Incorporeal one and the corporeal one are needed; those who believe in the mother as well as the father are needed. The Father Shiv comes; the Incorporeal one comes; but in whom does He enter? Some or the other corporeal one is needed, isn't he? Until He enters him, the secrets of the visions caused to Brahma cannot be revealed at all; this is why corporeal as well as the Incorporeal is needed. Those who believe in the household are righteous; moreover in household..., those who believe only in the Incorporeal are powerful, but they may become powerful to whatever extent, God will not help them till the end. Whom will He help? (He will help) those who believe in the household because God comes only to establish the world of household. Deities follow the path of household. So, there are two categories. Which ones? One category is of those who believe in the corporeal as well as the Incorporeal and one category is of those who believe in just the Incorporeal and one category is of those who believe neither in the household nor in the Incorporeal as much as they believe in the corporeal one. They give more importance to the corporeal one. They do not give importance to the Incorporeal One and they do not give importance to the deities of the path of household either. The devotees of Ram and the followers of Rahim are all blind...

जिज्ञासु- बाबा, शिव तो एक ही ज्योतिबिंदु वहाँ पे परमधाम में है ना लेकिन उनकी प्रवृत्ति नहीं है ना।

बाबा- तो उनको मानेगा कौन, पहचानेगा कौन?

जिज्ञासु- वो भी तो पाँच हजार साल निवृत्ति में रहते ना ऐसा बोल सकते हैं ना।

बाबा- पाँच हजार साल पूरे कहाँ रहते हैं निवृत्ति में। पूरे निवृत्ति में रहते हैं क्या? प्रजापिता के साथ प्रवृत्ति नहीं होती है? पाँच हजार साल के अंदर उनकी प्रवृत्ति होती ही नहीं कभी? बोलो।

जिज्ञासु- होती है।

बाबा- होती है बस। नहीं तो प्रवृत्तिमार्ग की स्थापना खुद ही नहीं कर सकेंगे। जिसका खुद का ही प्रैक्टिकल जीवन नहीं है वो दूसरों को क्या सिखायेगा?

Student: Baba, Shiv is just a point of light in the Supreme Abode, but He does not have a household, does He?
Baba: So, who will accept Him, who will recognize Him?
Student: He too lives in renunciation for five thousand years; we can say like this, can't we?
Baba: Does He live in renunciation for the full five thousand years? Does He live in complete renunciation? Does he not have a household with Prajapita? Does He not enter in household in five thousand years at all? Speak up.
Student: He does.
Baba: He does. That is all. Otherwise, He will not be able to establish the path of household Himself. If someone does not have any practical life of his own, what will He teach the others?

समयः 27.33-32.55

जिज्ञासुः बाबा, सृष्टि के आदि, मध्य, अंत माना प्रजापिता की आत्मा जो बीजारोपण के निमित्त बनी और अंत में बाप के रूप में प्रत्यक्ष होती है तो फिर मध्य में। तो बाबा तो मुकर्रर रथ में ही प्रवेश करते हैं। तो मध्य में तो आत्मा है नहीं जब ब्रह्मा के तन के द्वारा जो मुरली चलाई। 68 के बाद वो आत्मा के तन में, वो आत्मा के तन में जरूर शिवबाबा तो होंगे ही ना।

बाबाः- लेकिन प्रत्यक्ष ही नहीं है तो दुनिया क्या जाने। जंगल में मोर नाचा किसने देखा? वो तीसरी आँख से भी दिखाई नहीं पड़ रहा है।

जिज्ञासु- लेकिन मध्य का जो....

बाबा- खोल के कहिये, धड़ाके से, यहाँ कोई ड़रने की बात नहीं है। ये कोई ब्रह्माकुमारियों का क्लास नहीं है। आप घबराते क्यों हैं? बाबा को खास क्या बात प्रिय हैं? ''सच्चे दिल पर साहब राजी'' भले विरोध की बात भी क्यों न हो लेकिन महात्मा विदुर की तरह चाहे सम्राट बैठा है सामने तो भी उसके सामने सच्ची बात टंकार के कहे। तो बाबा को वो बच्चा बहुत प्रिय है और धृतराष्ट्रोंको को वो बच्चा प्रिय नहीं है। हाँ, जी।

Time: 27.33-32.55

Student: Baba, the beginning, middle and end of the world meaning – the soul of Prajapita became instrument in sowing the seed and it is revealed in the form of the Father in the end and then in the middle... So Baba enters the permanent chariot only. So, in the middle that soul was not present when the Murli was narrated through the body of Brahma. So, after (19)68, Shivbaba will certainly be present in the body of that soul, will He not?
Baba: But if He is not revealed at all, then how will the world know? Who saw when the peacock danced in the forest? He is not visible even through the third eye of knowledge.
Student: But the period in between......
Baba: Speak freely, fearlessly; there is no question of fear. This is not a class of Brahmakumaris. Why do you feel afraid? What does Baba like especially? *Sacce dil par sahib raji*[5] *(*God likes the true heart) – Even if something is opposing, but no matter if the emperor is sitting in front of him, he would speak out loudly the truth like Mahatma Vidur. So, Baba likes that child very much and Dhritrashtras do not like that child. Yes.

---
[5] The Master is pleased with a true heart.

जिज्ञासु- माना शिवबाबा जरूर ऊँच तन में, प्रजापिता के ही आत्मा के तन मे प्रवेश ही होंगे ना क्योंकि मुकर्रर रथ है।

बाबा- न ऊँच तन नहीं है। उत्तम ऊँच नहीं है, तन तो पतित है। हाँ, और आगे।

जिज्ञासु- माना एक दफे आता हूँ तो नई सृष्टि स्थापन कर के ही चला जाता हूँ माना वो आत्मा भले इस ज्ञान में न आये तो वो छूटती नहीं होगी ना। शिवबाबा जरूर उनमें प्रवेश करते.........

बाबा- माना उस आत्मा की संभाल करनी है। ऐसे नहीं हो सकता कि वो आत्मा शरीर ही न ले या लुंजुम-पुंजुम हो जाये, आँखो की अंधी।

जिज्ञासु- 76 में तो प्रत्यक्ष होती है ना।

बाबा- 76 में प्रत्यक्ष होती है। हाँ,जी।

जिज्ञासु- माना जब ब्रह्मा, ब्रह्मा बाबा जाने के बाद 68 से 76 तक शिवबाबा फिर कहाँ होते है?

बाबा- रामवाली आत्मा में।

जिज्ञासु- हाँ, तो वहीं होगी।

Student: It means that Shivbaba will certainly enter that great body, the body of the soul of Prajapita because it is the permanent chariot.
Baba: The body is not great. It is not a great body; the body is sinful. Yes, anything else?
Student: I mean to say...... 'When I come, I establish the new world and go only after that.' It means that even if that soul (of Prajapita) does not enter this path of knowledge, it is not left. Shivbaba certainly enters him....
Baba: It means that that soul is to be definitely taken care of. It is not possible that that soul does not take a body or it becomes weak or blind.
Student: It is revealed in (19)76, isn't it?
Baba: It is revealed in (19)76. Yes.
Student: I mean to ask where is Shivbaba from (19)68 to (19)76 after Brahma, after Brahma Baba departs?
Baba: In the soul of Ram.
Student: Yes, it will be there.

बाबा- ये बात आपको क्लीयर ही नहीं थी? ये संसार रूपी जंगल है। इसमें शिवबाबा जब आकर के पार्ट बजाता है तो बीच में वापस नहीं जाता है। क्या? शिवबाबा को पार्ट बजाना ही बजाना है। जिस तन में भी प्रवेश करूँगा उसका नाम ब्रह्मा रखना पड़े और पाँच ब्रह्मा तो गाये ही हुए हैं। पाँच मुख तो जरूर हैं। चाहे वो माताओं के द्वारा कार्य करे और चाहे कोई पुरूष तन के द्वारा कार्य करे; वो वापस, वापस नहीं जायेगा इसलिए मुरली में बोल दिया है- जो मुझे परमधाम में याद करते हैं, मै तो नीचे आया हुआ हूँ ना लेकिन फिर भी निश्चय बुद्धि नहीं है। आया तो हुआ नीचे हूँ। नीचे पार्ट बजाया रहा हूँ, दृष्टि से सृष्टि भी सुधार रहा हूँ, ज्ञान भी दे रहा हूँ, सुननेवाले सुनते हैं और न सुननेवाले नहीं सुनते हैं। फिर भी जो बच्चे ये समझते हैं कि हमको निश्चय नहीं है कि इसमें आ रहा है कि नहीं आ रहा है। पक्का

निश्चय नहीं कर पाते हैं। ऊपर याद करते हैं परमधाम में। तो उनके लिए बोला है - वो हैं शूद्र संप्रदाय। जो मुझे परमधाम में याद करते हैं वो हैं शूद्र संपद्राय। ये तो बड़े घाटे की बात हो गई।
Baba: Was this issue not clear to you at all [before]? This is a jungle-like world; when Shivbaba comes in this world and plays His part, He does not leave in between. What? Shivbaba has to play His part without fail. 'Whichever body I enter will have to be named as Brahma' and five Brahmas are famous anyway. There are certainly five heads. Whether He performs His task through mothers or whether He performs His task through a male body; He will not go back; this is why He has said in the Murli, 'Those who remember Me in the Supreme Abode...; I have come below, haven't I? Yet they do not have faith; I have certainly come below; I am playing my part below; I am also reforming the world through vision; I am also giving knowledge; the listeners listen and those who do not want to listen do not listen. Yet, those children who feel that they do not have faith if He comes in this one or not, they are unable to develop firm faith; they remember Him above in the Supreme Abode, it has been said for them – they belong to the *Shudra*[6] community. Those who remember me in the Supreme Abode belong to the *Shudra* community. This is a very big loss.

इतना लम्बा समय हो गया भगवान बाप को इस सृष्टि पर आये हुए 70-71 साल और हम अभी तक परमधाम में ही याद कर रहे हैं, भगवान बाप की दृष्टि में हम अनिश्चय बुद्धि बच्चे हैं, मरे हुए, मुर्दा हैं। क्या हुए? मरा हुआ मुर्दा हुआ ना। अनिश्चय बुद्धि माना मुर्दा। ये तो बहुत घाटे की बात हो गई। इस घाटे को तुरंत खत्म कर देना चाहिए। सुबह का भूला अगर शाम को रास्ते पर आ जाये, घर आ जाये और तीव्र पुरूषार्थ करे, घर-परिवार के भाँतियों को माँ-बाप को प्रसन्न करने का तो उसको भूला, भूला नहीं कहेंगे। भगवान बाप तो बहुत रहमदिल है, ब्लिसफुल है। भले वो तथाकथित ब्राह्मण माफ करें या ना भी करें। मोस्टली तो माफ करते ही नहीं है लेकिन बाप बहुत रहमदिल है।
Such a long time has passed since God, the Father has come in this world, it has been 70-71 years and we are still remembering (Him) in the Supreme Abode; in the eyes of God the Father, we children do not have a faithful intellect, we are dead, corpses. What are we? We are dead, corpses, aren't we? Developing a doubtful intellect means corpse. It is a big loss. We should end (repair) this loss immediately. If someone who has forgotten the path to his home in the morning and finds the path in the evening and comes home and makes fast *purusharth* to make the members of the family and the parents happy, then he will not be said to have gone astray. God, the Father is very merciful, He is blissful. Those so-called Brahmins may or may not forgive, mostly they do not forgive, but the Father is very merciful.

समयः 33.00-37.30
जिज्ञासुः ब्रह्माबाबा का शरीर लोन लिया हुआ था।

[6] the lowest social class

बाबाः जी।

जिज्ञासुः माना प्रजापिता की जो सोल थी उसके अंदर तो मुकर्रर रथ है। तो उसी के अंदर शिवबाबा रहते थे क्या जब ब्रह्माबाबा रहते थे तब? ब्रह्माबाबा के द्वारा मुरली चलाते थे।

बाबाः अरे, अपना मकान किसी के पास है; अपने मकान में ज्यादा सुख-सुविधा होती है या किराये के मकान में ज्यादा सुख-सुविधा होती है? निर्भय रहता है आदमी? अपने मकान में ज्यादा निर्भय रहता है। अगर खुदा-न-खास्ता अपना मकान न रहा तो मजबूरी का नाम महात्मा गांधी। तो लोन में लेना पड़े। हाँ, अब आगे बतायें।

Time: 33.00-37.30

Student: Brahma Baba's body was had on loan.
Baba: Yes.
Student: I mean to say the soul of Prajapita is the permanent chariot. So, when Brahma Baba was alive, did Shivbaba used to live in him? He used to narrate Murli through Brahma Baba.
Baba: Arey, if someone has his own house; does he feel more comfortable and remain fearless in his own house or in a rented house? He remains more fearless in his own house. In case he does not have an own house, then, 'the name for compulsion is Mahatma Gandhi'. So, he will have to have (a house on) on loan. Yes, speak further.

जिज्ञासुः वही, मुरली चलाने के लिए सिर्फ शिवबाबा उसमें जाते.........

बाबा- अब नहीं है मुकर्रर, मुकर्रर छोटा बच्चा है या उसका हिसाब-किताब पूरा नहीं हुआ है या कोई कारण ऐसा है जिसके कारण शिवबाबा उसमें प्रवेश नहीं कर सकते हैं, तो जब तक मुकर्रर मकान नहीं बनता है..., पुराना मकान सरकार ने गिरा दिया। भई रूहानी गर्वमेन्ट जो; ब्राह्मणों की दुनिया में भी तो गर्वमेन्ट है ना? तो गर्वमेन्ट ने वो मकान गिरा दिया; क्या? लाश भी गुम कर दिया। क्या बोला? लाश भी गुम कर दिया। तो मकान गिर गया तो लोन पर लेना पड़े ना तब तक? तो लोन पर लेकर काम चलाते हैं।

That is what I was asking, did Shivbaba used to go there (in Brahma Baba) just to narrate Murlis.....
Baba: Well, when the permanent chariot is not present or if the permanent chariot is a small child or if his karmic accounts have not been settled or if there is any reason due to which Shivbaba cannot enter him, then until the appointed house is ready…, suppose the government has demolished the old house; the spiritual government, there is a government in the world of Brahmins also, isn't there? So, if that government has demolished the house; what? They have hidden the corpse as well; what has been said? They have hidden the corpse as well. So, if the house is demolished, He will have to have (another house) on loan until then, will he not? So, He has (a house) on loan to manage His task.

जिज्ञासु-......प्रजापिता की सोल के साथ शिवबाबा रहते होंगे ना?

बाबा- अरे, जंगल में मोर नाचा किसने देखा?

जिज्ञासु- लेकिन बाबा आपने अनुभव तो किया होगा ना।

बाबा- क्या? अच्छा, अभी आप ये प्रजापिता के मुँख से उगलवाए सकते हैं? प्रजापिता के रूप में जो पार्ट बजानेवाली आत्मा है इस सृष्टि रूपी रंगमंच पर, उससे कोई ये बात उगलवाए सकता

है कि तुमको अनुभव होता है कि नहीं शिवबाबा तुम्हारे अंदर काम कर रहा है कि नहीं कर रहा है। उगलवा सकता है?

जिज्ञासु- नहीं।

बाबा- तो अभी ही नहीं उगलवाए सकता तो जिस समय कोई हिसाब ही नहीं था, कोई किताब ही नहीं बन सकती तो वहाँ प्रत्यक्ष होने की, उगलवाने की क्या बात है? क्यों? क्योंकि जो अपने मुख से ये कहे कि मेरे अंदर शिव आता है, भगवान आता है, गॉड़फादर आता है, मेरे अंदर भगवान ब्रह्मा की आत्मा आती है, शंकर आता है, वो क्या साबित होता है? हिरण्यकश्यप साबित होता है। फिर?

Student: .....Shivbaba must be living with the soul of Prajapita, musn't He?
Baba: Arey, who observes if a peacock dances in the jungle?
Student: But Baba you must have experienced it, have you not?
Baba: What? OK, now can you bring out these words from Prajapita's mouth? Can anyone make the soul which plays the part in the form of Prajapita on this world stage say whether he feels that Shivbaba is working through him or not? Can anyone make him say this?
Student: No.
Baba: So, when they cannot force him say about this now, then the time which was not taken into account(in yagya) at all, when there can be no record of it at all, where is the question of making him speak about it ? Why? It is because the one who says through his mouth, 'Shiv comes in me, God comes (in me), God the Father comes in me, God Brahma's soul comes in me; Shankar comes in me', what does he prove [himself] to be? He proves [himself] to be Hiranyakashyap. Then?

जिज्ञासु- ....हीरो पार्टधारी है ना, हीरो पार्टधारी है तो उसके साथ-2 रहेगा ना शिव।

बाबा- हाँ, उसके साथ रहेगा? वो रहेगा वो आप भले मानिए, आप मानिए लेकिन बाबा तो बोल दिया इस समय भारत पूरा नास्तिक है।

जिज्ञासु- ऐस लग रहा है बाबा कि लोन लिया मतलब मुरली चलाने के लिए।

बाबा- आप किधर से बोल रहे हैं पता नहीं लग रहा है। हाथ उठाओ, हाँ जी-2

जिज्ञासु- लोन लिया मतलब सिर्फ मुरली चलाने के लिए ब्रह्माबाबा को यूज कर रहे हैं।

बाबा- तो क्या मुरली अभी नहीं चला रहे हैं?

जिज्ञासु- अभी तो, अब तो चल रही है लेकिन उस समय की बात है।

बाबा- हाँ, उस समय की बात क्यों? मुरली चलाना, वो तो तब भी हो रहा था माना मकान में रहना है ये उद्देश्य नहीं है; उद्देश्य है पतितों को पावन बनाना। क्या? पतितों को पावन ऐसे शरीर रूपी घर में रहकर के नहीं बनाया जा सकता- जो थोड़ी सी विपदा आये, परीक्षा आये और ढ़सर हो जाये। किसमें आऊँगा? अरे, मैं किसमें आऊँगा? मनुष्य तन में आता हूँ या जानवर बुद्धि बैल में आता हूँ?

जिज्ञासु- मनुष्य तन में।

बाबा- मनुष्य तन में आता हूँ समझाने के लिए।

Student:.....He is a hero actor, isn't he? If he is a hero actor, Shiv will remain with him, will He not?

Baba: Yes, He will remain with him? He will remain, you may think so; you may think so, but Baba has said that now Bharat is completely atheist.
Student: I feel that Baba had on loan to narrate Murlis.
Baba: Where are you speaking from? I am unable to see you. Raise your hands. Yes.
Student: He had on loan. It means that He is using Brahma Baba only to narrate Murlis.
Baba: So, is He not narrating Murlis now?
Student: Now now it is being narrated, but I am talking about that time.
Baba: Yes. Why about that time? Narrating Murlis was happening at that time too, i.e., the aim is not to live in that house (i.e. body); the aim is to purify the sinful ones. What? The sinful ones cannot be purified while living in a house which is destroyed as soon as a small problem arises, as soon as a small test starts. In whom will I come? Arey, in whom will I come? Do I come in a human body or in a person with an animal-like or bull-like intellect?
Student: In a human body.
Baba: I come in a human body to explain.

समयः 38.48-40.21

जिज्ञासुः बाबा, परिवार, खुद के ऊपर निश्चय है, बाप के ऊपर निश्चय है और परिवार के ऊपर निश्चय बोला; तो खुद के ऊपर तो निश्चय रहता ही है और बाप के भी ऊपर निश्चय रहता।

बाबाः ये भी कोई जरूरी नहीं है कि बाप के ऊपर निश्चय रहता ही हो।

जिज्ञासु- नहीं, अगर रहता है।

बाबा- हाँ,

जिज्ञासु- लेकिन परिवार के ऊपर निश्चय नहीं होता है।

बाबा- हाँ,

जिज्ञासु- तो क्या समझेंगे उसको?

Time: 38.48-40.21
Student: Baba, [it is said] there should be faith on the family, on oneself on the Father and on the family; so, we have faith on ourself anyway and also on the Father.
Baba: It is not necessary that you have faith on the Father [always].
Student: No, if we have.
Baba: Yes.
Student: But if there is no faith on the family.
Baba: Yes.
Student: So, what can be said about it?

बाबा- तो कहेंगे नास्तिक है। कोई परिवार का आदमी है, परिवार का भाँति है, परिवार का बच्चा है और ये कहे कि हम बाप को मानेंगे न अम्मा को मानेंगे और न इन बड़े भाईयों, छोटे भाईयों किसी को नहीं मानेंगे, हम कोई की बात माननेवाले नहीं है, सबको गोली से उढा देंगे। इनको बूढ़ा होने दो इनको सबको मार ड़ालेंगे और नास्तिक लोग आज की दुनिया में ऐसा करते भी हैं। जो बहुत बूढ़े हो जाते हैं, हॉस्पिटल के ड़ॉक्टरों को तंग कर देते हैं, परिवारवालों को तंग कर देते हैं तो क्या करते हैं? वो अपने खुद भी दु:खी होते रहते हैं। उनको ठाँह कर देते हैं। उनको नास्तिक कहें या आस्तिक कहें? नास्तिक हैं।

जिज्ञासु- नास्तिकता सन्यास से आई ना?

बाबा- वो तो ठीक है कहीं से भी आया हो। आपके प्रश्न का समाधान हुआ कि नहीं ? पंगेबाजी न करो।

Baba: Then it will be said that he is an atheist. If there is a person in a family; if there is a member of the family, if there is a child in a family and says: I will accept the Father; I will neither accept the mother nor the elder brothers nor the younger brothers; I will not accept anyone; I will shoot everyone. Let him grow old; I will kill everyone and the atheist people even do like this in the world. So, when they (i.e. the parents) grow very old, when they trouble the doctors in the hospital, when they trouble the members of the family, then what do they (i.e. the children) do? They (the old people) themselves become sorrowful too. [Then] they are killed. Should they be called atheist or theist? They are atheists.
Student: Atheism has emerged from *sanyas* (religion), hasn't it?
Baba: That is all right. It may have emerged from anywhere. Did you get the solution to your question or not? Do not try to play tricks.

समयः 43.05-46.45

जिज्ञासुः बाबा, ये जो शेर होते हैं वो जंगल में रहते हैं ना? तो आजकल महाराष्ट्र और भारत में ऐसा हुआ है जो जंगल हैं वो खलास होते जा रहे हैं।

बाबाः हाँ, जी। हाँ, जी।

जिज्ञासुः और जो शेर हैं, वो मानवीय बस्ती में हल्ला करते जा रहे हैं।

बाबा- हल्ला करते जा रहे हैं? हाँ।

जिज्ञासुः उनका अस्तित्व खत्म होते जा रहा है।

बाबाः उनका आस्तित्व माना उनकी जो जनरेशन है वो खलास होती जा रही है। तो हल्ला नहीं करेंगे? अरे, किसी आदमी की सारे घर के भाँति मार ड़ाले तो वो विरोधी नहीं हो जायेगा? समाज के और सरकार के विरोधी नहीं बनेगा? बनेगा कि नहीं?

जिज्ञासु- हाँ, बनेगा।

Time: 43.05-46.45
Student: Baba, lions live in the jungles, don't they? So, nowadays, jungles are vanishing from Maharashtra and India.
Baba: Yes, yes.
Student: And the lions are creating disturbances in human settlements.
Baba: They are creating disturbances? Yes.
Student: They are on the verge of extinction.
Baba: Their existence, i.e. their generation is perishing. So, will they not create disturbances? Arey, if you kill all the members of a person's family, will he not become an opponent? Will he not become an opponent of the society and the government? Will he or will he not?
Student: Yes, he will become.

बाबा- तो ऐसे ही संसार रूपी जंगल में ये तीन शेर है- ब्रहमा, विष्णु और शंकर। और इनकी जनरेशन को खत्म किया जा रहा है। वास्तव में तीनों शेर हैं भी नहीं। क्या? शेर तो एक ही है। अगर उसकी जनरेशन को खत्म किया जायेगा तो बिफर नहीं जायेंगे? गलत काम हो रहा क्या?

जिज्ञासु- लेकिन फिर वो अभी महारथी जो बच्चे कहा जाता है वो शेर जैसी आत्मायें कही जाती है ना? उनका आस्तित्व ही नष्ट होता जा रहा है।

बाबा- हाँ-2, उनका परिवार नष्ट हो रहा है। कौन नष्ट कर रहा है? जो मनुष्य हैं वो शेरों के परिवार को नष्ट कर रहे हैं जो की प्राकृतिक चीज़ है और उन शेरों में भी जो खास ज्यादा वैल्यूबल है.... दो तरह के शेर होते हैं एक बाघ, टाईगर और दूसरा बड़े मुखवाला, बब्बर शेर। भारत में ज्यादा मान्यता किसकी है? टाईगर की मान्यता है। टाईगर ऐसा शेर है जो भारत में नैशनल एनिमल माना जाता है, बब्बर शेर को नैशनल एनिमल नहीं माना जाता।

जिज्ञासु- बाबा ताकत में तो वो ही ज्यादा है ना?

बाबा- ताकत में ज्यादा है और अक्ल? "अक्ल बनी बंदर की दुम की कसर है" तो क्या फायदा हुआ? पूजा करेंगे? इसका मतलब द्वापरयुग से बंदर की पूजा करते रहे।...... पूछा है हमने तो सिर्फ। और, आपकी बात पूरी हो गई?

Baba: So, similarly, these are the three lions of the world like jungle, Brahma, Vishnu and Shankar. And their generation is being destroyed. Actually, all three are not lions. What? There is only one lion. If his generation is destroyed, will they not become angry? Is there anything wrong going on?

Student: But the *maharathi* children, they are compared with lions, aren't they? They are on the verge of extinction.

Baba: Yes, yes. Their family is being destroyed. Who is destroying it? The human beings are destroying the family of the lions which are natural, and even among those lions, the ones which are especially more valuable... There are two kinds of lions – one is the tiger and the other kind is the lion which has a big head. Who are recognized more in India? Tigers are recognized [more]. Tiger is an animal which is considered to be the national animal of India. The lion is not considered to be the national animal.

Student: Baba, but it [the lion] has more power, doesn't it?

Baba: It has more power and what about intelligence? *Akal bani Bandar kee dum ki kasar hai* (the intellect became like that of a monkey, only a tail is lacking). So, what is the benefit? Will it be worshipped? It means that you have been worshipping the monkey since the Copper Age... I just asked. Anything else? Have you finished your point?

जिज्ञासु- बाबा उनका आस्तित्व ही पूरा खत्म होता जा रहा है।

बाबा- बिल्कुल खत्म हो जायेगा? निश्चय है?

जिज्ञासु- नहीं, वही तो फिर उनका आगे कैसे हो सकता है मतलब?

बाबा- इसका मतलब जो टाईगर के रूप में पार्ट बजाने वाला है ब्राह्मणों की दुनिया में ये सारी दुनिया में, वो टाईगर का वंश ही खत्म हो जायेगा? नहीं। उसका वंश फलीभूत होगा। वो दुनिया की भी स्थापना होगी।

जिज्ञासुः नई दुनिया की स्थापना।

बाबाः हाँ, जी। चिन्ता न करो।

Student: Baba, they are on the verge of extinction.

Baba: Will they vanish completely? Are you sure?

Student: No, that is what I was asking. What is their future?

Baba: Does it mean that the generation (i.e. progeny) of the one who plays the part in the form of a tiger in the world of Brahmins, in the entire world vanish? No. His generation will prosper. That world will also be established.
Student: Establishment of the new world.
Baba: Yes. Do not worry.

समयः 46.50-51.19

जिज्ञासुः सारे भारत में पुष्कर में ब्रह्मा का मन्दिर है। पुष्कर की ऐसी क्या विशेषता है कि वहाँ ब्रह्मा का मन्दिर है बाकी कहाँ नहीं है?

बाबाः हाँ-2, नाम क्या रखा है उस स्थान का?

जिज्ञासु- पुष्कर।

बाबा- पुष्कर। क्या? क्या करता है? पुश माना क्या होता है? धक्का देके चलाता है। क्या? एक होता है ज्ञान में अपने-आप चले; कोई धक्का मारने की दरकार न हो। जैसे गाड़ी होती है ना एक गाड़ी होती है धक्का मार के चलाई जाती है, स्टार्ट की जाती है और एक गाड़ी होती है डी आय (direct ignition) (आटोमेटिक); जिसको धक्का लगाने की जरूरत न पड़े। लोग कौनसी गाड़ी पसंद करते हैं? जो आटोमेटिक चले, स्वीच घुमाया और चालू।

जिज्ञासु- जिसकी बैटरी चार्ज है वो चलेगा।

Time: 46.50-51.19

Student: There is only one temple of Brahma in India, in Pushkar. What is the specialty of Pushkar that Brahma's temple is situated there and not anywhere else?
Baba: Yes, yes. What is the name of that place?
Student: Pushkar.
Baba: *Pushkar*. What? What does he do? What is meant by push? He pushes to manage his task. What? One is to follow knowledge voluntarily; there is no need to give a push. For example, there are vehicles; one type of vehicle is started by giving a push and one type of vehicle is (automatic) D.I (direct ignition), the one which need not be given a push. Which vehicle do people like? The one which works automatically; you turn the switch and it starts.
Student: The one whose battery is charged will work.

बाबा- हाँ, तो ब्रह्मा ने जो गाडियाँ तैयार की हैं पुरूषार्थ करने वाली वो कैसी गाडियाँ तैयार हुई हैं? पुष्करणी ब्राह्मण तैयार हुए है। क्या? उन पुष्करणी ब्राह्मणों में सबसे पॉवरफुल ब्राह्मण कौन है?

जिज्ञासु- ब्रह्मा।

बाबा- वो ब्रह्मा तो खुद ही है। जगदम्बा सबसे पॉवरफुल ब्राह्मण है। क्या? पुष्करणी ब्राह्मणों में जगदम्बा सबसे पॉवरफुल है। लेकिन जो ब्राह्मणों की नौ पुरियाँ है उनमें श्रेष्ठ नहीं गाया जाता। अम्बा की पूजा जब महाकाली का रूप धारण करती है तो देवात्मायें उसकी पूजा नहीं करते हैं। कौन करते हैं? जो नीचे तबक्के के लोग हैं चोर, लुटेरे, ड़कैत वो उसकी पूजा करते हैं।

इसलिए मुरली में बोला है - देवी के पुजारी हैं रावण संपद्राय। तो ब्रह्मा ने किसको वरदान दिये?

जिज्ञासु- सबको दिये।

बाबा- सबको वरदान दिये?

Baba: Yes, so, the vehicles which Brahma has prepared, the vehicles that make *purusharth* (spiritual effort) are of what kind? They are *Pushkarni* Brahmins. What? Who is the most powerful Brahmin among those *Pushkarni* Brahmins?
Student: Brahma.
Baba: He is Brahma himself. (Someone said Jagadamba) Jagdamba is the most powerful [*pushkarni*] Brahmin. What? Among the *Pushkarni* Brahmins Jagdamba is the most powerful one. But she is not considered to be the elevated one among the nine categories of Brahmins. When Amba assumes the form of Mahakali the deity souls do not worship her. Who worship her? The lower category people, the thieves, the dacoits, burglars worship her. This is why it has been said in the Murli, those who worship the *devi* (female deity) belong to the Ravan community. So, whom did Brahma give boons?
Student: He gave it to everyone.
Baba: Did he give it to everyone?

जिज्ञासु- ब्रह्माबाबा........

बाबा- हाँ, किसको वरदान दिये?

जिज्ञासु- आसुरों को भी दिया ना।

बाबा- भी? कि कोई देवताओं को भी वरदान दिये शास्त्रों में ऐसा कहीं है? असुरों को वरदान दिये। जो वरदान देने का काम है गुल्जार दादी में कौनसी आत्मा कर रही है?

जिज्ञासु- ब्रह्मा बाबा।

बाबा- कोई भी सामने आते हैं सबको वरदान दे देते हैं।

जिज्ञासु- प्रतिभा पाटिल को भी दिया था।

बाबा- किसको?

जिज्ञासु- राष्ट्रपति को।

बाबा- हाँ, राष्ट्रपति, हाँ, जी-2

Student: Brahma Baba.....
Baba: Yes, whom did he give boons?
Student: He gave it to the demons too, didn't he?
Baba: 'Too'? Is it mentioned anywhere in the scriptures that he gave boons to the deities also? He gave boons to the demons. Which soul is performing the task of giving boons through Gulzar Dadi?
Student: Brahma Baba.
Baba: He gives boons to anyone who comes in front of him.
Student: He gave to Pratibha Patil also.
Baba: Whom?
Student: To the President [of India].
Baba: Yes, to the President; yes.

जिज्ञासु- बाबा वैसे भी बाहर कहते हैं ब्रह्मराक्षस।

बाबा- ब्रह्मराक्षस। अरे, अच्छा, तो पुष्कर में, इनका प्रश्न था पुष्कर में ब्रह्मा की पूजा क्यों होती है? उसका जवाब मिल गया। जैसा काम वैसा नाम मिलता है।

जिज्ञासु- पुष्कर के जो लोग है वो पुश करके आगे बढ़ते हैं क्या?

बाबा- नहीं, ये मतलब नहीं है। पुष्कर में जो रहने वाले हैं वो सब ब्रह्मा की पूजा नहीं करते; जो पुष्कर के अंदर, मंदिर में रहने वाले पुजारी हैं वही सिर्फ ब्रह्मा की पूजा करते हैं। माउन्ट आबू में रहने वाले जितने भी ब्राह्मण हैं ऐसे नहीं समझना कि सब ब्रह्मा को मानने वाले हैं। क्या? जिन्होंने अंदर रहकर के खुब माल खाये हैं, खुब मान-मर्तबा लिया है वो ही ब्रह्मा को मानने वाले हैं।

Student: Baba, it is said in [the] outside [world], Brahmarakshas.

Baba: Brahmaraskshas. Arey! *Accha.* So, in Pushkar… his question was, "why is Brahma worshipped in Pushkar?" You got the reply to it. As is the task, so is the name given.

Student: Do the people of Pushkar, receive a push and move forward?

Baba: No, it doesn't mean this. All the people living in Pushkar do not worship Brahma; only the priests living in the temple in Pushkar worship Brahma. Do not think that all the Brahmins living in Mount Abu believe in Brahma. What? Only those who have lived inside and eaten delicious food (i.e. enjoyed luxuries), who have received a lot of respect and position believe in Brahma.

समयः 51.20-54.58

जिज्ञासुः बाबा, जैसे राष्ट्रीय एनिमल जो है टाइगर है लेकिन कोट ऑफ आर्म्स जो है उसमें तो बब्बर शेर दिखाते हैं।

बाबाः कोट ऑफ आर्म्स में जो शेर दिखाये हैं, वो तीन बब्बर शेर दिखाये हैं। हैं ना? जो तीन बब्बर शेर दिखाये हैं वो वास्तव में एक तो वो तीन बब्बर शेर है ही नहीं और दूसरी बात, उनकी जो मान्यता है वो जब बुद्ध धर्म शुरू होता है तब से उनकी रचना होती है। बौद्धी धर्मवाले असली शेर को पहचान पाते हैं क्या? वो नहीं पहचान पाते। उनसे तो नास्तिक धर्म की शुरूआत होती है। दुनिया में ऐसे नहीं है कि नास्तिक धर्म कोई लास्ट में ही आया है। आर्यसमाजियों से ही नास्तिक धर्म की प्रत्यक्षता हो जाती है। लेकिन बौद्ध धर्म जब से आया और उसमें रजोप्रधानता शुरू हुई तभी से नास्तिकता की शुरूआत हो गई। बौद्धी धर्म के लोग भगवान को नहीं मानते, आत्मा-परमात्मा को नहीं मानते, स्वर्ग को नहीं मानते, नर्क को नहीं मानते। जो कुछ भी है सब इसी दुनिया में ही है।

Time: 51.20-54.58

Student: Baba, for example, the national animal is tiger, but in the Coat of Arms they show the *Babbar* lion.

Baba: The lions that have been depicted in the Coat of Arms are three *Babbar* lions, are they not? So, the three *Babbar* lions which have been depicted; actually, firstly, all the three are not *Babbar* lions and secondly, their recognition, their creation begins with Buddhism. Are the Buddhists able to recognize the true lion? They are unable to recognize Him. The atheist religion commences with them. It is not so that atheism has emerged in the world in the last period or that the atheist religion is revealed only through the Arya Samajis, but atheism has

begun ever since Buddhism started and ever since degradation began in Buddhism. Buddhists do not recognize God; they do not believe in the soul and the Supreme Soul. They do not believe in heaven, they do not believe in hell. Whatever exists is present in this world only.

जिज्ञासु- आदि में जो तीन आत्मओं ने बाप को प्रत्यक्ष किया 76 में तो उसमे बौद्ध धर्म की भी तो आत्मा थी ना।

बाबा- हाँ, थी ना। तो उसका अंजाम क्या है?

जिज्ञासु- उसके बारे में कुछ दिया नहीं है। किताब में भी कुछ दिया नहीं है।

बाबा- क्या दिया जायेगा? स्वधर्मी है या विधर्मी है?

जिज्ञासु- विधर्मी तो है पर उसने क्या साथ दिया उसके बारे में भी कुछ लिखा नहीं।

बाबा- शुरूआत में साथ देते हैं, शुरूआत में सहयोगी बनते हैं और जो दो विधर्मी हैं, विदेशी हैं वो उतने सहयोगी नहीं बनते जितना राईटियस सहयोगी बनता है। शास्त्रों में भी लक्ष्मण को ज्यादा साथी बनता हुआ दिखाया है या शत्रुघ्न और भरत को साथी दिखाया गया? लक्ष्मण ने ज्यादा साथ दिया।

जिज्ञासु- बाबा बौद्धीयों के मुकाबले में इस्लामी और क्रिश्चियनों को ज्यादा प्राप्ति है ना। फिर साथ तो बौद्धियों ने दिया।

बाबा- अरे, जितनी प्योरिटी का पालन करेंगे उतनी ही प्राप्ति होगी ना। इस्लामी मे तो आज भी नियम बांधा हुआ है कि 3-4 शादियाँ कर सकते हैं। उनकी फिर भी मर्यादा है और नास्तिकों की तो? कोई मर्यादा ही नहीं रही। तो प्राप्ति, प्राप्ति में फर्क नहीं पड़ेगा? बहुत फर्क पड़ जाता है।

जिज्ञासु- राईटियस होने बावजूद भी।

बाबा- राईटियस हैं लेकिन राईटियस कितना टाईम रहे? थोड़े टाईम राईटियस रहे और बाकी टाईम व्यभिचार पनपा दिया सृष्टि में, तो राजाई मिलेगी या नहीं मिलेगी?

Student: When the Father was revealed in the beginning in (19)76, the (seed) soul of Buddhism was also present, wasn't it?

Baba: Yes, it was present. So, what was its result?

Student: Nothing has been mentioned about him. Nothing has been mentioned in the book either.

Baba: What will be mentioned? Is he *swadharmi* or *vidharmi*?

Student: He is *vidharmi*, but it has not been mentioned in what way he helped.

Baba: They give company in the beginning, they help in the beginning and the two *vidharmis, videshis* do not help as much as the righteous one helps. And in the scriptures as well, has Lakshman been shown to have helped (Ram) more or has Shatrughna and Bharat been shown to be more helpful? Lakshman helped more.

Student: Baba, when compared to the Buddhists, Islamic people and Christians achieve more attainments, don't they? But the Buddhists helped more.

Baba: They will attain only to the extent they imbibe purity, will they not? Even today the Islamic people are bound by the rule that they can marry three-four times (take 3-4 wives). They still have some limit (*maryada*) and what about the atheists? They do not have any limit

at all. So, will there not be any difference in their attainments? There will be a lot of difference.

Student: Despite being righteous?

Baba: They are righteous, but how long did they remain righteous? They remained righteous for a little while and for the remaining time they promoted adultery in the world. So, will they get kingship or not?

समयः 55.00-56.10

जिज्ञासुः बाबा, दो तरह के ब्राह्मण बताये गये हैं।

बाबाः दो तरह के।

जिज्ञासु- हाँ जी, शास्त्र पढ़नेवाले और धामा खानेवाले। धामा खानेवाले मने क्या?

बाबा- धामा खानेवाले माना ज्ञान की तरफ ज्यादा ध्यान नहीं देते हैं। जो आवभगत की जाती है ना उस पर ज्यादा ध्यान देते हैं। भगवान की जो चीज़ दी हुई है, देन है उसकी तरफ ध्यान नहीं दे पाते। किस तरफ ज्यादा ध्यान देते हैं? अरे, ब्रह्मा ने भगवान की जो देन है ज्ञान रत्न उन पर मनन-चिंतन-मंथन किया या बच्चों की आवभगत ज्यादा की? बच्चों की आवभगत ज्यादा की। तो जो ब्रह्मापरस्त ब्राह्मण इस दुनिया में हैं, वो भी खिलायेंगे-पिलायेंगे बहुत अच्छा, सौगात बड़ी अच्छी-2 दे देंगे दुनियावी, लेकिन ज्ञान रत्नों की उनसे बात करो, लाल-लाल आँखें हो जाती हैं।

Time: 55.00-56.10

Student: Baba, two kinds of Brahmins have been described.

Baba: Two kinds.

Student: Yes, those who read scriptures and those who feast. What does it mean by 'feast eating Brahmins'?

Baba: Those who feast meaning they do not pay much attention to knowledge. They pay more attention to hospitality, don't they? They are unable to pay attention to the gift of God. Where do they pay more attention? Arey, did Brahma think and churn more about the gift of God, [i.e.] the gems of knowledge or did he take care of the children more? He took care of the children more. So, those who follow Brahma in this world will also offer good things to eat and drink, they will give good worldly gifts, but if you talk to them about the gems of knowledge, their eyes turn red (in anger).

जिज्ञासुः बाबा, जैसे की मनरेव आत्मा कहा है और मन को जड़्त्व भी कहा है। बताया है कि मन को ही अमन करना है। इसका मतलब?

बाबाः अभी सृष्टि खतम करना है कि चलानी है?

जिज्ञासुः खतम करना है।

बाबाः तो करना है।

जिज्ञासुः बाबा अत्मा खतम करना माने?

बाबाः अत्मा खतम नहीं होती है लेकिन ऐसी स्टेज बताई। ऐसी स्टेज जब तक नही बनायेंगे तब तक ये दुनिया खतम होनेवाली नही है। इसके लिये ये जरूरी है कि बाप समान अपन को बनाना है। तब ही बाप के घर में जाय सकेंगे। अगर बाप के घर में एक सेकेण्ड भी नही

गये, इसी दुनिया के वासी बने रहे तो जो बाप का वर्सा है मुक्ती और जीवनमुक्ती, वो नही मिलेगी और मिलेगे भी तो नम्बरवार की लिस्ट मे आ जावेंगे।

Student: Baba, just like it has been said '*manarev atma'* (the mind itself is the soul) and mind has been said to be non-living as well. It has been said that we have to make the mind *aman*(inactive). What does it mean?
Baba: Do we have to finish the world now or should it be kept going?
Student: It has to be finished.
Baba: Then we have to do that(make the mind *aman*).
Student: What does it mean by 'to finish the soul'?
Baba: The soul does not finish but such a stage was mentioned. This world will not end until we achieve such stage. For this it is necessary that we make ourselves equal to the Father. Only then we will be able to go to the Father's house. if we do not go to the Father's house for even a second, then we will not get the inheritance of the Father, liberation and liberation in life. Moreover, even if we get it, we will come in the list of the *number wise* ones (according to our capacity).

समयः 59.45-01.01.49

जिज्ञासुः बाबा ने मुरली में बोला है कि हम बच्चों को सन्यासी की तरह एक जगह बैठकर बाप को याद नहीं करना है। घूमते-फिरते काम करते याद करना है। फिर ये गीता पाठशाला या संगठन में हम जो एक घंटा, एक साथ बैठ के योग करते हैं वो सन्यासी का.....।

बाबाः हाँ, आप जब गीता पाठशाला खोलें, आपके युगल ज्ञान में आ जाये तो आप ऐसा करना, बाबा आपको शाबाशी देंगे।

जिज्ञासु- नहीं बाबा।

Time: 59.45-01.01.49

Student: Baba has said in the Murli that we children should not remember the Father sitting at one place like a *sanyasi*. We should remember while roaming around or doing our work. But we collectively sit and remember (Baba) for one hour in the *gitapathshala* or *sangathan*; is that *sanyasi*....
Baba: Yes, when you open a *gitapathshala*, when your spouse enters the path of knowledge, do like this; then Baba will appreciate you.
Student: No, Baba.

बाबा- नही! बाबा तो कहते हैं कर्मयोगी बनो। कर्मयोगी अगर बने, सारी दुनिया तो कर्मयोगी नहीं है। क्या बन गई? निवृत्तिमार्ग वाले बन गये। इब्राहिम, बुद्ध, क्राईस्ट, गुरूनानक ये क्या हैं? सब निवृत्तिमार्ग वाले हैं। सारी दुनिया को निवृत्तिमार्ग वाला बना दिया, औरतों को अलग कर दिया और पुरूषों को अलग कर लिया। अपना प्रभाव बढ़ा दिया। धर्मपिताओं ने क्या किया? ज्यादा प्रिफरेंस किसको दिया? कन्याओं-माताओं को प्रिफरेंस दिया या पुरूषों को प्रिफरेंस दिया? अपने को ज्यादा प्रिफरेंस दिया, अपने जाति को और कन्याओं-माताओं को सबने ठुकाराया।

जिज्ञासु- नहीं बाबा, कहने का मतलब ये है कि गीतापाठशाला में या संगठन में हम एक घंटा योग रखते, एक घंटा मुरली चलती है बाबा की।
बाबा- बताया ना। हमारा, हमारा जो है पहला-2 सब्जेक्ट कौनसा है? ज्ञान पहला सब्जेक्ट और याद भी हमारी प्रवृत्तिमार्ग की याद है, निवृत्तिमार्ग की याद नहीं है। देह से कर्म किया जाता है। कर्म काहे से करते हैं? कर्मेन्द्रियों से कर्म करते हैं तो हमारा कर्म और योग दोनों साथ-2 होना चाहिए।
Baba: No! Baba says, become a *karmayogi.* If you become a *karmayogi*; the entire world is not *karmayogi.* What has it become? It has become a follower of the path of renunciation. What are Abraham, Buddha, Christ, Guru Nanak? All of them belong to the path of renunciation. They made the entire world to follow the path of renunciation. They separated the women and men. They increased their own influence. What did the religious fathers do? Whom did they give more preference? Did they give more preference to the virgins and mothers or did they give preference to the men? They gave more preference to themselves, to their own community and everyone rejected the virgins and mothers.
Student: No Baba, I mean to say, we organize *yog* for an hour in the *gitapathshalas* or the *sangathans*; Baba's Murli is played for an hour.
Baba: It was told just now; what is our first subject? Knowledge is the first subject and our remembrance is also of the path of household; it is not a remembrance of the path of renunciation. Actions are performed through the body. Through what are actions performed? Actions are performed through the bodily organs. So, our actions and yog should be simultaneous.

……………………………………………………………………………………………
Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.